नेगलेरिया फाउलेरी: "ब्रेन ईटिंग अमीबा"

हाल ही में केरल के अलाप्पुझा ज़िले में एक व्यक्ति की नेगलेरिया फाउलेरी (Naegleria Fowleri), **एक दुर्लभ संक्रमण के कारण** एक सप्ताह तक तेज़ बुखार और अंगों में शिथिलता आने के बाद के मृत्यु हो गई।

नेगलेरिया फाउलेरी:

- **परिचय:**
  - नेगलेरिया फाउलेरी, जिसे आमतौर पर **"ब्रेन ईटिंग अमीबा"** के रूप में जाना जाता है, एक एकल-कोशिका वाला जीव है जो **झीलों, ऊष्म झरनों और खराब रख-रखाव वाले स्विमिंग पूल जैसे गर्म ताज़े जलीय वातावरण** में पाया जाता है।
  - यह एक सूक्ष्म जीव है, **जिस कारण इसे केवल माइक्रोस्कोप से ही देखा जा सकता** है।
  - **अमीबा नासिका के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है** और गंभीर मस्तिष्क संक्रमण का कारण बन सकता है जिसे **प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (PAM) कहा जाता है।**

//
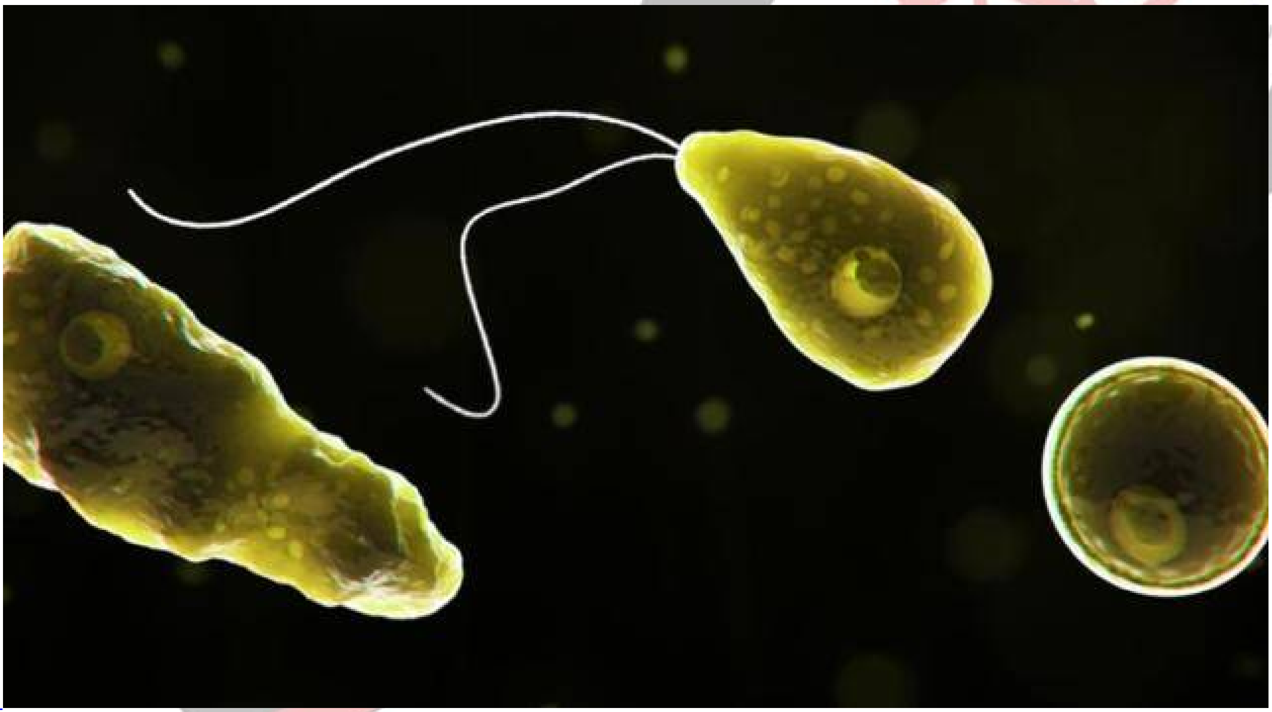

- **मानव शरीर में संचरण:**
  - **दूषित जल में तैरने अथवा गोता लगाने या धार्मिक अनुष्ठानों के लिये उपयोग जैसी गतिविधियों के दौरान यह आमतौर पर नाक नासिका और मुख** के माध्यम से संचरित होता है।
  - यह **घ्राण तंत्रिका के माध्यम से मस्तिष्क में चला जाता है जिससे मस्तिष्क के ऊतकों में गंभीर सूजन होता है फिर ये उत्तक नष्ट** हो जाते हैं।
  - नेगलेरिया फाउलेरी संक्रमण **एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता** है।
- **जोखिम:**
  - हालाँकि **मानव शरीर नेगलेरिया फाउलेरी के प्रति सामान्यतः संवेदनशील** होता है, फिर भी इसका संक्रमण अत्यंत दुर्लभ होता है।
  - **कमज़ोर प्रतिरक्षा तंत्र**, **नासिका अथवा साइनस की दीर्घकालिक समस्या**, गर्म ताज़े जल के संपर्क में आना आदि जैसे कुछ कारक इसकी सुभेद्यता को बढ़ा सकते हैं।
- **लक्षण और पूर्वानुमान:**

- लक्षण आमतौर पर संक्रमण के एक सप्ताह के अंदर दिखाई देते हैं और इसमें गंभीर**सिरदर्द, बुखार, मतली, उल्टी, गर्दन में अकड़न, भ्रम, दौरे एवं मतिभ्रम** शामिल हैं।
- संक्रमण तेज़ी से बढ़ता है और **कोमा तथा मृत्यु का कारण** बन सकता है। इसमें **जीवित रहने की संभावना कम होती है।**

- **इलाज:**
    - उपचार में **दवाओं का संयोजन शामिल है।**
    - दवा **मिल्टेफोसिन** ने प्रयोगशाला सेटिंग्स में नेगलेरिया फाउलेरी को खत्म करने में प्रभावकारिता दिखाई है और कुछ जीवित बचे लोगों के उपचार में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है।
    - उपचार के बाद भी **97 प्रतिशत की दर्ज मृत्यु दर के साथ नेगलेरिया फाउलेरी संक्रमण से बचने की संभावना कम रहती है।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/naegleria-fowleri-the-brain-eating-amoeba